Transmission projecs of Power Grid Corporation

123. SHRI ANANTRAM JAISWAL:
SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA;

Will the Minister of POWER be plased to state:

(a) whether it is a fact that the Power Grid Corporation have issued a letter of intent to a Franco-British Conglomerate Co. for setting up of. a transmission project costing over Rs. 200 crore without obtaining prior approval of Government; and

(b) if. so, what is the reaction of Government with regard to the irregularities committed by the GEC?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): . (a) Power grid had issued only a conditional Letter of Award dated 29.12.1994 to M|s GEC Alsthom T&D Power Electronic Systems Limited. U.K. for .1x500 MW HVDC back-to-back link at Vizag (Jeypore-Gazuwaka HVDCV project) amounting to about Rs. 190 crores. The above action was taken since the offer of GEC, Alsthom was valid upto 29.12.1994 and the interest rate on credit offer was likely to go up after 14.1.1995.

(b) Since the offer of GEC Als thom has been evaluated by Powergrid as the lowest bid as per the prescribed procedure, the Letter of Intent was issued subject to Govern ment approval for the project.

विद्युत संचरण और वितरण क्षय

124. चौधरी हरमोहन सिंह :
श्री आस मोहम्मद :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विद्युत संचरण और वितरण में होने वाले क्षय को कम करने का कार्य संतोषजनक नहीं है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान विद्युत संचरण और वितरण में होने वाले क्षय को कम करने के लिये किये गये कार्य का ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिलाबेन चिमनभाई पटेल) : (ख) जी, हां । विद्युत पारेषण और वितरण संबंधी हानियों के बारे में निम्नलिखित प्रमुख कारण संतोषप्रद नहीं हैं:–

(क) उप-पारेषण एवं वितरण प्रणाली से संबंधित कार्यों को समुचित प्राथमिकता प्रदान न किए जाने के कारण इनकी क्षीण एवं अनुपयुक्त स्थिति होना ।

(2) बैक-अप पारेषण और उप-पारेषण प्रणाली को सशक्त बनाए बिना देश ग्राम विद्युतीकरण संबंधी कार्य बड़े पैमाने पर किए जाने के कारण लम्बी विद्युत लाइनें बिछाना और वितरण नेटवर्क का विस्तार करना ।

(3) ट्रांसफार्मेशन के अनेक चरण होने के कारण ट्रांसफार्मेशन हानियों की अधिक मात्रा होना ।

(4) भार प्रबंध उपयुक्त न होने के कारण प्रणाली में अधिक भार की स्थिति होना ।

(5) ग्रामीण क्षेत्रों में पम्पिंग भार और शहरी क्षेत्रों में एयर कण्डीशनर्स, कूलर्स और औद्योगिक भारों तथा लोड प्वाईंट्स पर अपर्याप्त रिएक्टिव कम्पनसेशन के कारण निम्न विद्युत घटक होना ।